टी बोर्ड भारत
उत्तर पूर्व आंचलिक कार्यालय
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)
हाउसफेड कॉम्प्लेक्स, सेन्ट्रल ब्लॉक, 5वा व 6वा तल, दिसपूर, गुवाहाटी, 781006, असम

दूरभाष 0361-2228944(PBX)/945(PBX); फैक्स : 0361-2234251

ई-मेल :teaboardguwahati@hotmail.com ::::::::::::: वेबसाइट :: www.teaboard.gov.in

प्रेस नोट

1 अप्रैल 2023 को टी बोर्ड इंडिया का 70वां स्थापना दिवस समारोह

गुवाहाटी, 31 मार्च:

टी बोर्ड इंडिया 1 अप्रैल 1954 से चाय अधिनियम 1953 के प्रावधानों के अनुसार अस्तित्व में आया। 1 अप्रैल 2023 को टी बोर्ड इंडिया के 70वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, इस अवसर को शानदार तरीके से मनाने के लिए कई गतिविधियों की योजना की जा रही है।

भारत में चाय की खेती 15 राज्यों में फैली हुई है और विश्व भर के उपभोक्ताओं के विभिन्न स्वादों और प्राथमिकताओं के अनुकूल कुछ बेहतरीन गुणवत्ता वाली अर्थोडॉक्स, सीटीसी चाय और विशेष चाय का उत्पादन करती है। हर एक क्षेत्र की चाय की विशेषताएं विशिष्ट और अद्वितीय हैं। दुनिया की कुछ बेहतरीन चाय जैसे दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि, कांगड़ा, डुअर्स-तराई, सिक्किम, त्रिपुरा आदि अपने अनूठे स्वाद, सुगंध, रंग, लिकर और विशेषताओं के लिए जानी जाती हैं। इन विशिष्ट चायों को उनकी विशिष्ट पहचान के अनुसार अद्वितीय लोगो द्वारा अलग किया जाता है। इनमें से दार्जिलिंग, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स और कांगड़ा भौगोलिक संकेत (जीआई) हैं।

अपनी स्थापना के बाद से, टी बोर्ड इंडिया ने चाय उद्योग के समग्र विकास के लिए अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को निभाया है, सरकार द्वारा अनुमोदित विभिन्न योजनाओं को लागू किया है, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक व चौथा सबसे बड़ा चाय निर्यातक देश बन गया है। दुनिया में भारत काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता भी है।

पिछले 70 वर्षों में चाय उद्योग में टी बोर्ड इंडिया के योगदान से चाय क्षेत्र में 96%, उत्पादन में 391%, उत्पादकता में 145%, खपत में 1443% की वृद्धि हुई है। पिछले दो दशकों के दौरान लघु चाय उत्पादकों के क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। लघु चाय उत्पादकों के उभरने से स्थानीय आर्थिक स्थिति और लोगों की आजीविका में मदद मिली। चाय उत्पादन में लघु चाय उत्पादकों के उदय ने भी भारत को घरेलू आवश्यकताओं व निर्यात को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर बना दिया।

चाय उद्योग भारत में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, जो 1.16 मिलियन से अधिक लोगों को लाभकारी प्रत्यक्ष रोजगार एवं इतनी ही संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। भारत एक साल में लगभग 1.4 अरब किलोग्राम चाय का उत्पादन करता है। निरंतर निर्यात प्रोत्साहन प्रयासों के साथ, चाय निर्यात का मूल्य यूएस$800 मिलियन के करीब है एवं 2022 के दौरान मात्रा में 15% की सकारात्मक वृद्धि हुई है।

वर्ष 2023 में असम चाय उद्योग के 200 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। सामाजिक-आर्थिक प्रगति के संदर्भ में, भारत में चाय उद्योग स्वतंत्र भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक संपत्ति रहा है, विशेष रूप से इस तथ्य पर विचार करते हुए कि महिलाओं का कार्यबल लगभग 60% है।
2016 में प्रमुख पहलों में चाय के लिए पैन-इंडिया ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म की शुरुआत, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में "गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला" की स्थापना, लघु चाय उत्पादकों का सामूहिककरण एवं एफपीओ/एफपीसी का गठन, 2014 में चाय उत्पादन आदि में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्लांट प्रोटेक्शन कोड का कार्यान्वयन शामिल है। उचित मूल्य की खोज और ई-नीलामी प्रणाली को मजबूत करने के माध्यम से अधिक पारदर्शिता लाने के लिए एक नया नीलामी मॉडल "भारत नीलामी" विकसित किया गया है। चाय क्षेत्र में ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने और संस्थागत बनाने के लिए जोरहाट, असम में "एम-जंक्शन" नामक एक वैकल्पिक ई-नीलामी मंच स्थापित किया गया था।

"ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" के अंश के रूप में, प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं।

निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए, टी बोर्ड इंडिया ने प्रमुख बाजारों में भारतीय मिशनों के सहयोग से क्रेता-विक्रेता मीट (भौतिक और आभासी दोनों) के आयोजन, व्यापार सुविधा एवं बढ़ते व्यापार प्रतिनिधिमंडलों जैसे कई व्यापार संवर्धनों की पहल की हैं। विश्व में सोशल मीडिया प्रचार "इंडिया टी" के विभिन्न पहलुओं के प्रचार में एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है।

1 अप्रैल 2023 को 70वें स्थापना दिवस के समारोह के अंश के रूप में, टी बोर्ड इंडिया चाय उद्योग के समग्र विकास और उन्नति के लिए अधिक प्रतिबद्ध व समर्पित होने का संकल्प लेता है, विशेष रूप से लघु-उत्पादक खंड (52% के लिए लेखांकन पर चाय उत्पादन)। टी बोर्ड इंडिया सभी हितधारकों के कल्याण हेतु अपना समर्थन व सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिसमें गुणवत्ता के पालन पर अतिरिक्त ध्यान दिया गया है, बेहतर मूल्य अर्जन व बाजार संवर्धन को बढ़ावा देना है।

तदनुसार, 70वें स्थापना दिवस को टी बोर्ड के आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालयों में भौतिक माध्यम से मनाने की योजना बनाई जा रही है, जिसमें देश के चाय उत्पादन क्षेत्रों में हितधारकों का अभिनंदन शामिल है।